भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-65

उत्तर देने की तारीख-01/12/2025

निपुण भारत

†65. श्री कालिपद सरेन खेरवाल:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि फाउंडेशनल लर्निंग स्टडी 2022 के अनुसार अड़तालीस प्रतिशत छात्रों के पास या तो अधिकांश बुनियादी ज्ञान का अभाव था या उनके पास वैश्विक न्यूनतम दक्षता के संबंध में सीमित ज्ञान और कौशल था, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट, 2024 के अनुसार, ग्रामीण भारत में 14 से 18 वर्ष तक की आयु वर्ग के कक्षा आठ के तीन में से लगभग एक विद्यार्थी कक्षा दो के पाठ को धाराप्रवाह रूप से नहीं पढ़ पाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल (निपुण भारत) द्वारा वर्ष 2021 से अब तक हुई लक्ष्य प्रगति का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) प्राथमिक विद्यालय में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने वाले छात्रों के अनुपात का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क से घ) - स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसई एंड एल) शिक्षा मंत्रालय (एमओई) के तत्वावधान में एनसीईआरटी द्वारा आयोजित मूलभूत शिक्षण अध्ययन (एफएलएस) 2022, विभिन्न भाषाओं में मूलभूत साक्षरता के लिए बेंचमार्क प्रदान करता है और वैश्विक न्यूनतम प्रवीणता ढांचे के आधार पर मूलभूत है। एफएलएस 2022 के अनुसार, 52 प्रतिशत छात्र संख्यात्मक ज्ञान में कुशल हैं जबकि भाषाओं में दक्षता अलग-अलग होती है। एफएलएस 2022 अध्ययन से बेंचमार्क और प्रवीणता संबंधी आकड़े सार्वजनिक डोमेन में https://parakh.ncert.gov.in/sites/default/files/fls-reports/report-files-pdf/ORF.pdf पर उपलब्ध है।

भारत सरकार ने 4 दिसंबर, 2024 को परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण (जिसे पहले राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण के रूप में जाना जाता था) का आयोजन किया, ताकि शिक्षा के मूलभूत, प्रारंभिक और मध्य चरणों (क्रमशः ग्रेड 3, 6 और 9 में मूल्यांकन) के अंत में छात्रों के बीच दक्षताओं के विकास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत आधारभूत प्रदर्शन को समझा जा सके।इस सर्वेक्षण को भारत में अधिगम परिणामों पर एक प्रणाली-स्तरीय प्रतिबिंब के रूप में डिज़ाइन किया गया है जो स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों में महत्वपूर्ण योग्यता, कौशल या बुनियादी ढांचे की कमी को रेखांकित करता है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण (पीआरएस) 2024 के लिए राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर की रिपोर्ट https://dashboard.parakh.ncert.gov.in/en पर उपलब्ध हैं, जो मूल्यांकन के निष्कर्षों को प्रसारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक समर्पित डैशबोर्ड है।पीआरएस 2024 के निष्कर्ष मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 की तुलना में एक महत्वपूर्ण सुधार को उजागर करते हैं, जिससे एनईपी 2020 के तहत शुरू किए गए निपुण भारत मिशन के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाया गया है।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसई एंड एल), शिक्षा मंत्रालय ने 5 जुलाई, 2021 को "समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ पढ़ने में प्रवीणता के लिए राष्ट्रीय पहल (निपुण भारत)" नामक एक राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि देश का प्रत्येक बच्चा ग्रेड 2 के अंत तक आवश्यक रूप से मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्राप्त कर ले। इस मिशन की स्थापना केंद्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के तत्वावधान में की गई है- जो समग्र शिक्षा के तहत स्कूली शिक्षा के लिए एक एकीकृत योजना है। सभी 36 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र निपुण-भारत मिशन को कार्यान्वित कर रहे हैं। बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ-एफएस) 20 अक्टूबर, 2022 को जारी किया गया था, जिसमें पाठ्यक्रम, शिक्षकों के प्रशिक्षण, शिक्षण शिक्षण सामग्री (एलटीएम) आदि के लिए एक संरचना प्रदान की गई थी। निपुण भारत मिशन के तहत विभिन्न पहल जो सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा कार्यान्वित बेहतर परिणामों में योगदान करती हैं: -

- 'विद्या प्रवेश' नाम से ग्रेड I के लिए 3 महीने के नाटक आधारित 'स्कूल तैयारी मॉड्यूल और दिशानिर्देश' को 29 जुलाई, 2021 शुभारंभ किए गए थे।विद्या प्रवेश कार्यक्रम का लक्ष्य विभिन्न पृष्ठभूमियों (बालवाटिका, आंगनवाड़ी केंद्रों, घर पर, निजी प्ले स्कूलों आदि) से ग्रेड-I में आने वाले सभी बच्चों में स्कूल की तैयारी को बढ़ावा देना है, ताकि बच्चों को ग्रेड-I में सुचारू रूप से स्थानांतरित किया जा सके।यह एक आनंदमय और उत्तेजक वातावरण में खेल आधारित, आयु और विकासात्मक रूप से उपयुक्त अधिगम अनुभव प्रदान करता है जिससे बच्चे की पूर्व-साक्षरता, पूर्व-संख्यात्मक ज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए समग्र विकास होता है।यह कार्यक्रम पूरे देश में लागू किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 से अब तक, 8.9 लाख स्कूलों के 4.2 करोड़ से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं।

- जादुई पिटारा (जेपी): दिनांक 20 फरवरी 2023 को शुभारंभ किया गया, जेपी 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 53 अधिगम-शिक्षण सामाग्री(एलटीएम) (खिलौने, खेल, पहेलियाँ, स्टोरी कार्ड आदि) का एक संग्रह है। इसमें 22 भाषाओं में अनुवादित संसाधन, एक प्रशिक्षक की पुस्तिका 'उनमुख' और एकीकृत कार्यपत्रक के लिए एक गतिविधि पुस्तक 'आनंद' शामिल है।
- एनईपी 2020 और एनसीएफ-एफएस (बुनियादी चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा) की सिफारिशों को पूरा करने वाली कक्षा 1 और 2 के लिए खेल और गतिविधि-आधारित पाठ्यपुस्तकें (हिंदी-"सारंगी", अंग्रेजी- "मृदंग", "गणित- आनंदमय-गणित" और आनंदमय-गणित" और उर्दू- "शाहनाई") जुलाई, 2023 में जारी की गई हैं
- ई-जादुई पिटारा (ई-जेपी): 10 फरवरी 2024 को शुभारंभ किया गया, यह ऐप और वेबसाइट एआई-संचालित बॉट्स कथा सखी (कहानीकार), शिक्षक तारा (शिक्षक मार्गदर्शक), और अभिभावक तारा (अभिभावक सहायता) के साथ कई भाषाओं में इंटरैक्टिव सामग्री प्रदान करते हुए जेपी की पहुंच को कक्षाओं से परे बढ़ाते हैं। इसमें 1,000 से अधिक कहानियां हैं और https://ejaaduipitara.ncert.gov.in/. के माध्यम से सुलभ है।
- प्राइमर (मार्च, 2024 में शुभारंभ किए गए) को कम से कम 10,000 की आबादी द्वारा बोली जाने वाली मातृभाषाओं में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लिए 121 स्थानीय भाषाओं में विकसित किया गया।
- अधिगम परिणामों के आधार पर बालवाटिका से शुरू होकर ग्रेड 2 तक मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान के लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान के आधार पर लक्ष्य तैयार किए गए हैं।
- शिक्षकों को निरंतर अधिगम अवसर प्रदान करने के लिए, निष्ठा (नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट) को अक्टूबर 2020 में दीक्षा प्लेटफॉर्म का उपयोग करके ऑनलाइन लॉन्च किया गया था, ताकि प्राथमिक शिक्षकों तक पहुंच बनाई जा सके और सभी स्तर के शिक्षकों तक इसका विस्तार किया जा सके। 13.74 लाख+ शिक्षकों और 1.69 लाख+ शिक्षकों ने क्रमशः एफएलएन और ईसीसीई के लिए निष्ठा ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कर लिया है।कुल मिलाकर, 15.43 लाख+ शिक्षकों को शामिल किया गया है।

*****